Strive for Perfection

ANGEL'S PUBLIC SCHOOL

SAMPLE PAPER
PERIODIC TEST – I SESSION 2021 – 22
CLASS – IX

TIME: 1.5 HRS **SUBJECT: HINDI** **M.M:50**

निर्देश – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। लिखाई साफ सुथरी करें।

खंड – अ (वस्तुपरक प्रश्न)

अपठित गद्यांश

(1) नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– (5x1=5)

मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है कि देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ नहीं करता; जो भी कुछ करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिए जाएँगे और दोषों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिल्कुल ही नहीं। यह चिन्ता का विषय है। तिलक और गाँधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है? विवेकानन्द और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है? रवीन्द्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है? आर्य और द्रविड़, हिन्दू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र क्या सूख ही गया है?'

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ और फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है, किन्तु ऐसी दशा से हमारा उद्धार जीवन-मूल्यों में आस्था रखने से ही होगा। ऐसी स्थिति में हताश हो जाना ठीक नहीं है।

(क) 'मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है' वाक्य का आशय है (1)

(i) लेखक के मन में पछतावा होता है
(ii) लेखक का मन दु:खी हो जाता है
(iii) लेखक को अपराध भाव की अनुभूति होती है
(iv) लेखक का हृदय देश की दुर्दशा से चिंतित हो उठता है

(ख) कौन-सी स्थिति चिंता का विषय है? (1)

(i) व्यक्ति के गुणों की उपेक्षा और दोषों पर अधिक ध्यान
(ii) व्यक्ति का कर्मशीलता के प्रति उपेक्षा का भाव
(iii) व्यक्ति की ईमानदारी की उपेक्षा
(iv) निठल्ले लोगों की सुखमयता

(ग) 'महामानव समुद्र क्या सूख ही गया है' का अभिप्राय है (1)

(i) विशाल सागर जलहीन हो गया
(ii) समुद्र का विस्तार सीमित हो गया
(iii) आदर्शों का समन्वय और सद्भाव लुप्त हो गया
(iv) भारत का जलनिधि रत्नहीन हो गया

(घ) इस उथल-पुथल में देशवासियों के लिए संदेश है (1)

(i) ईमानदारी और मेहनत से जीविका चलाना
(ii) झूठ और फरेब से नफरत करना
(iii) जीवन-मूल्यों में आस्था रखना
(iv) देश की समृद्धि के लिए कार्य करना

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है

(i) समाज में व्याप्त अनैतिकता
(ii) महान् महर्षियों का देश भारत
(iii) जीवन-मूल्यों में आस्था
(iv) निराशाजनक स्थिति और हमारा देश

(2) नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– (5x1=5)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के अभाव में मनुष्य का सर्वांगीण विकास बिल्कुल संभव नहीं है। लेकिन इस बात को लोग भूलते जा रहे हैं। पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता है, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसे जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

(क) गद्यांश के आधार पर बताइए कि मनुष्य के सामाजिक जीवन का आधार क्या है? (1)

(*i*) आनंद (*ii*) पड़ोस
(*iii*) सहानुभूति (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ख) गद्यांश के आधार पर बताइए कि पड़ोसी के साथ कैसे संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है? (1)

(*i*) अच्छे संबंध (*ii*) बुरे संबंध
(*iii*) अहंकारी संबंध (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ग) गद्यांश के आधार पर बताइए कि 'विश्वस्त सहायक' से क्या अभिप्राय है? (1)

(*i*) अविश्वासी व्यक्ति (*ii*) विश्वास करने योग्य सहायक व्यक्ति
(*iii*) सहानुभूति वाला व्यक्ति (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(घ) पड़ोसी को विश्वस्त सहायक क्यों कहा गया है? (1)

(*i*) अन्य की तुलना में हमारी सहायता देरी से करते हैं (*ii*) अन्य की तुलना में हमसे बातचीत करते हैं
(*iii*) अन्य की तुलना में हमारी सहायता शीघ्र करते हैं (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ङ) लेखक ने विश्व-बंधुत्व की बात किस संदर्भ में की है? (1)

(*i*) पड़ोसी के साथ परस्पर सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने के (*ii*) पड़ोसी के साथ परस्पर अहंकारी रूप में संबंध बनाने के
(*iii*) पड़ोसी के साथ बातचीत करने के रूप में संबंध बनाने के (*iv*) इनमें से कोई नहीं

व्यावहारिक व्याकरण

(3) (क) वर्णों से बनी स्वतंत्र, सार्थक इकाई क्या कहलाती है ? (2x1=2)

(1) पद (2) शब्द (3) पदबंध (4) कोई भी नही

(ख) रावण, ज्ञानी किताब में रेखांकित शब्द क्या है ?

(1) शब्द (2) पद (3) पदबंध (4) उपरोक्त सभी

(4) (क) अत्याचार में सही उपसर्ग और मूल शब्द है :– (4x1=4)

(1) अत्य + आचार (2) अत्या + चार (3) अति + आचार (4) अ + त्याचार

(ख) उपहार में उपसर्ग है :–

(1) उपहा (2) उप (3) हार (4)कोई उचित नहीं

(ग) आन प्रत्यय से निर्मित शब्द है :–

(1) तूफान (2) अभिमान (3) उडान (4) विधान

(घ) पाठक शब्द में प्रत्यय है :–

(1) पाठ + क (2) पाठ + ठक (3) पठ + अक (4) पा + ठक

(5) उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करें :– (1)

(क) अश **(ख)** साय

(6) (क) अनुनासिक युक्त शब्द छाँटे :– (3)

(1) वशं (2) चंचल (3) गाँव (4) कंस

(ख) अनुनासिक युक्त शब्द छाँटे :–

(1) आँगन (2) आंगन (3) कंपन (4) हँस

(7) (क) अपमान का पर्यायवाची शब्द नहीं है:– (3)

(1) तिरस्कार (2) निरादर (3) अनादर (4) अभिय

(ख) पानी का पर्यायवाची शब्द है।

(1) विपिन (2) जलधि (3) वारि (4) सर

(ग) इंद्र का पर्यायवाची शब्द नहीं है :–

(1) सुरेंद्र (2) देवेन्द्र (3) नरेन्द्र (4) मधवा

(8) (क) अनुग्रह का विलोम शब्द है :– (3)

(1) विरह (2) निरोग (3) विग्रह (4) समारोह

(ख) नवीन का विलोम शब्द है :–

(1) प्राचीन (2) गंदा (3) धूप (4) कोई नहीं

(ग) हार का विलोम शब्द है :–

(1) खुशी (2) जीत (3) बाजी (4) भूरा

पाठय पुस्तक

(9) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए :– (5x1=5)

अब कैसे छूटै राम नाम रट लागी ।

प्रभु जी तुम चंदन हम पानी जाकी अँग – अँग बास समानी

प्रभु जी तुम घन बन मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा ।

प्रभु जी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती ।

(क) कवि को किसकी रट लग गई है ?

(1) बोलने की (2) राम नाम की

(3) जाप करने की (4) कोई भी उपयुक्त नहीं

(ख) 'चितवत चंद चकोरा' का अर्थ है।

(1) चकोर का चाँद को देखना (2) चाँद का देखना

(3) (1) और (2) दोनों ही (4) कोई भी नहीं

(ग) 'बरै' शब्द का अर्थ है।

(1) जलती है (2) पलती है (3) दुखी होना (4) खुशी

(घ) प्रभु चंदन है तो कवि स्वयं क्या है ?

(1) दूध (2) चाय (3) पानी (4) कोई सही नहीं

(ड) कवि किसकी तरह प्रभु को देख खुश हो जाता है और नाचने लगता है ?

(1) कोयल (2) चिड़िया (3) हिरण (4) मोर

खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

पाठय पुस्तक एंव पूरक पुस्तक

(10) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए ।

(2x2=4)

(क) बुढ़िया खरबूजे क्यों बेच रही थी ?

(ख) नट किस कला में सिद्ध होते है ?

(ग) लेखक बुढ़िया का हाल क्यों नहीं जान सका ?

(11) कवि रहीम के दोहों में निहित संदेश 60–70 शब्दों में लिखें। (4x1=4)

(12) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40–50 शब्दों में लिखिए ।

(2x3=6)

(क) गिल्लू कहानी के द्वारा क्या संदेश मिलता है ?

(ख) लेखिका को गिल्लू किस हालत में मिला ?

(ग) गिल्लू को सोनजुही की लता के नीचे समाधि क्यों दी गई ।

लेखन

(13) अपने मित्र को प्रथम आने पर बधाई देते हुए पत्र लिखें। (5)

अथवा

पिता जी से पैसे मँगवाने हेतू एक पत्र लिखें।